पाठ 13

मेरा नया बचपन

आइए सीखें:- • वात्सल्य भावना • अनेकार्थी एवं समानार्थी शब्द • योजक चिह्न, • विलोम शब्द

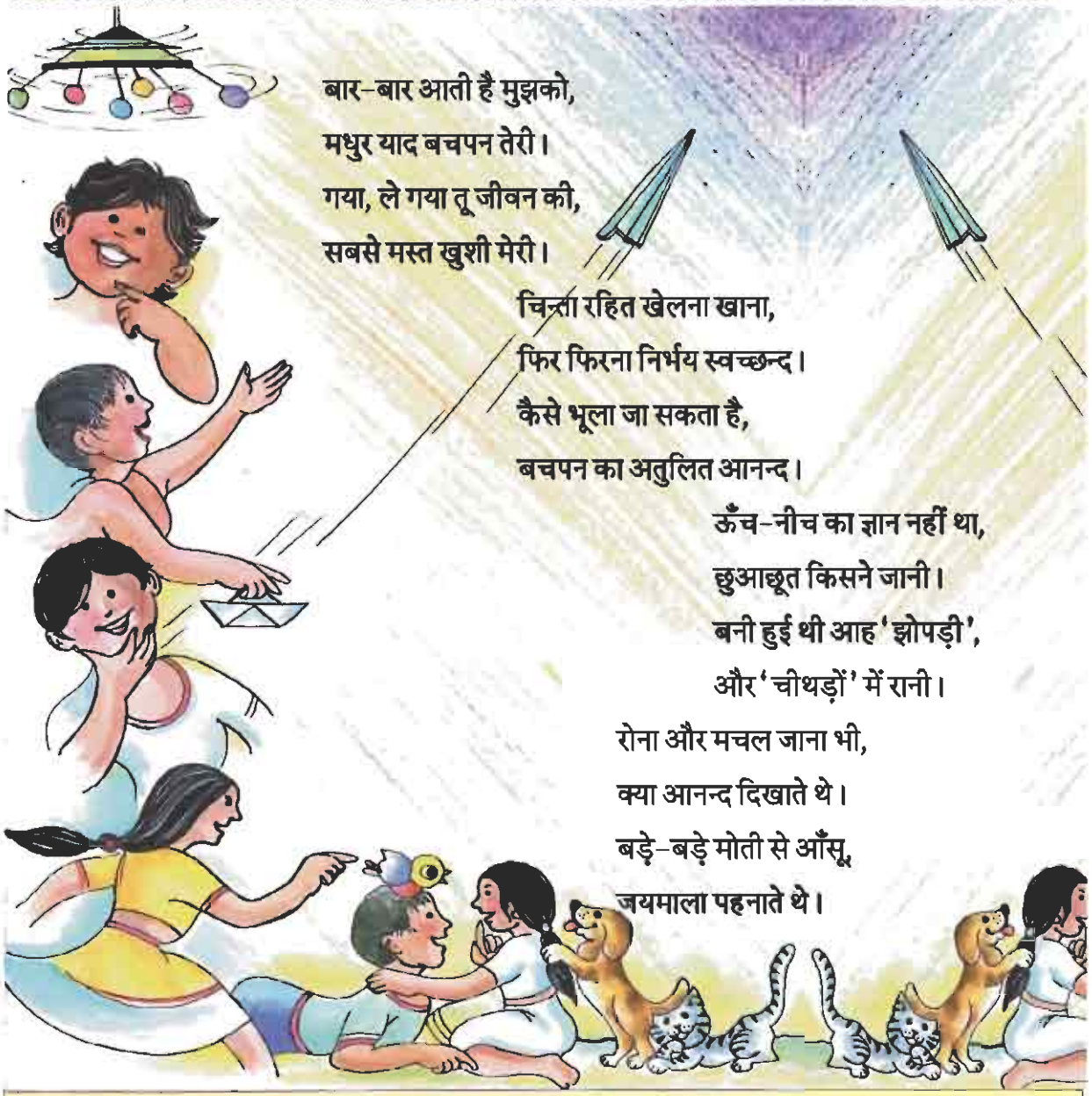

बार-बार आती है मुझको,
मधुर याद बचपन तेरी।
गया, ले गया तू जीवन की,
सबसे मस्त खुशी मेरी।

चिन्ता रहित खेलना खाना,
फिर फिरना निर्भय स्वच्छन्द।
कैसे भूला जा सकता है,
बचपन का अतुलित आनन्द।

ऊँच-नीच का ज्ञान नहीं था,
छुआछूत किसने जानी।
बनी हुई थी आह 'झोपड़ी',
और 'चीथड़ों' में रानी।

रोना और मचल जाना भी,
क्या आनन्द दिखाते थे।
बड़े-बड़े मोती से आँसू,
जयमाला पहनाते थे।

शिक्षण संकेत- • कविता का लालित्य पूर्ण वाचन स्वयं करें एवं बच्चों से भी कराएँ। • कविता के मुख्य भाव को सरल भाषा में स्पष्ट करें। • बचपन सम्बन्धी अन्य कविताएँ बच्चों से सुनें।

वह भोली–सी मधुर सरलता,
वह प्यारा जीवन निष्पाप।
क्या फिर आकर मिटा सकेगा,
तू मेरे मन का सन्ताप?

मैं बचपन को बुला रही थी,
बोल उठी बिटिया मेरी।
नन्दन–वन–सी फूल उठी वह,
छोटी–सी कुटिया मेरी।

'माँ ओ' कहकर बुला रही थी,
मिट्टी खाकर आई थी।
कुछ मुँह में कुछ लिए हाथ में,
मुझे खिलाने लाई थी।

मैंने पूछा–"यह क्या लाई?"
बोल उठी वह "माँ, काओ।"
हुआ प्रफुल्लित हृदय खुशी से,
मैंने कहा, "तुम्हीं काओ।"

पाया बचपन फिर से मैंने,
बचपन बेटी बन आया।
उसकी मंजुल मूर्ति देखकर,
मुझमें नव जीवन आया।

मै भी उसके साथ खेलती,
खाती हूँ, तुतलाती हूँ।
मिलकर उसके साथ स्वयं,
मैं भी बच्ची बन जाती हूँ।

- सुभद्रा कुमारी चौहान

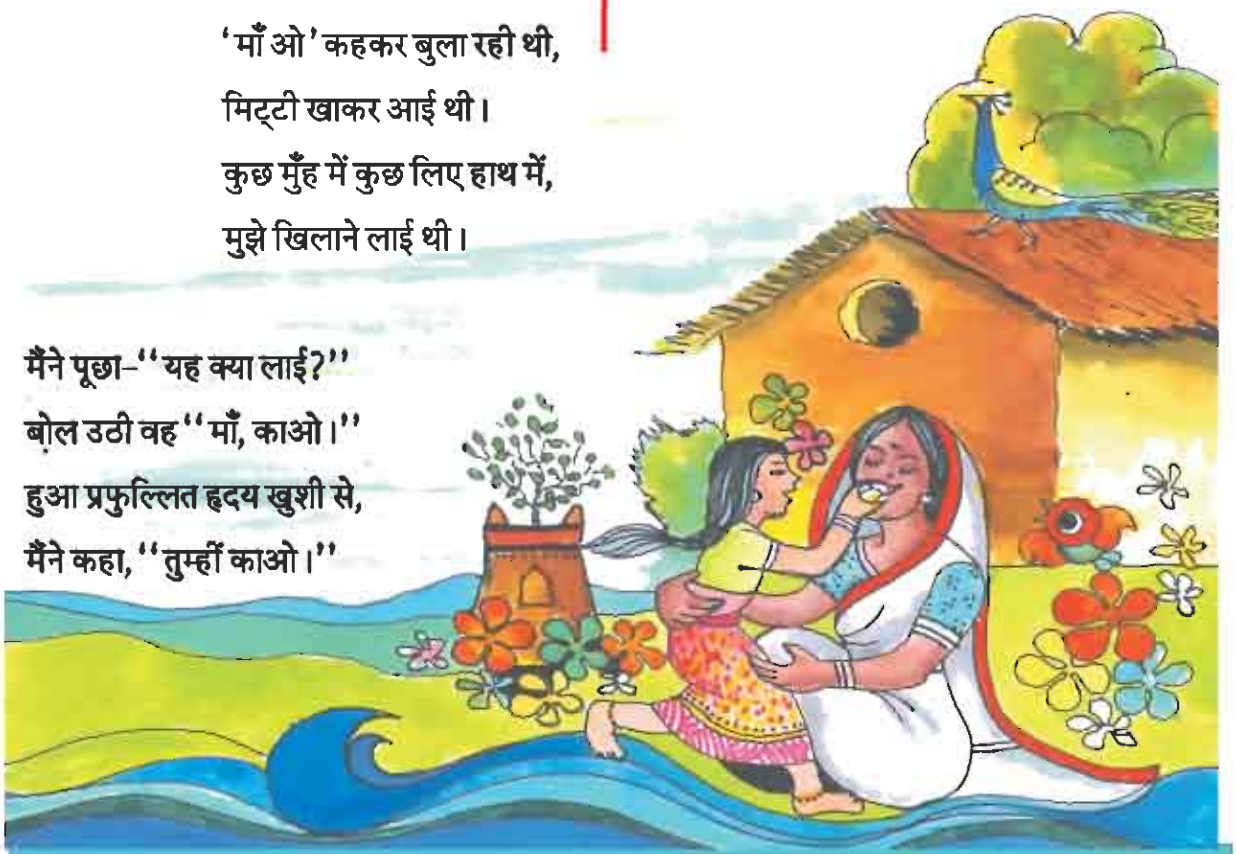

कवि परिचयः- सुभद्रा कुमारी चौहान का जन्म सन् 1904 में प्रयाग (इलाहाबाद) में हुआ था। बचपन से ही ये राष्ट्रीय स्वतंत्रता आन्दोलनों में भाग लेने लगी थीं तथा कई बार जेल भी गई। देश भक्ति गीतों के साथ-साथ बाल साहित्य में भी इनका बहुत बड़ा योगदान है। "झाँसी की रानी" इनकी अत्यन्त लोकप्रिय कविता है।

बोध प्रश्न-

1. निम्नांकित शब्दों के अर्थ पुस्तक में दिए शब्दकोश में से खोजकर लिखिए-

मधुर –	.....	संताप–	.....
निर्भय–	.....	प्रफुल्लित–	.....
अतुलित–	.....	मंजुल–	.....
निष्पाप–	.....	नव–	.....

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(क) इस कविता में कवयित्री किसकी याद कर रही हैं?

(ख) कवयित्री अपने बचपन को कैसे याद करती थीं?

(ग) सुभद्राजी का बचपन कब लौट आता है?

(घ) 'मेरा नया बचपन' कविता का भाव अपने शब्दों में लिखिए?

(ङ) कवयित्री की बिटिया क्या खाकर आई थी और क्या खिलाने लाई थी?

3. कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए-

(क) चिन्ता रहित खेलना खाना, फिर फिरना निर्भर स्वच्छन्द। कैसे भूला जा सकता है,.....।

(ख) वह भोली-सी मधुर सरलता, वह प्यारा जीवन निष्पाप।..... तू मेरे मन का संताप।

(ग) मैं भी उसके साथ खेलती, ...मिलकर उसके साथ स्वयं, मैं भी बच्ची बन जाती हूँ।

4. सही विकल्प छाँटकर लिखिए-

(क) बचपन की किन बातों को नहीं भूला जा सकता.....

अ) खिलौनों को ब) बचपन के आनन्द को स) बड़े-बड़े मोती से आँसू को

(ख) कवयित्री अपनी बच्ची को देखकर बच्ची क्यों बन जाती है?.....

अ)बच्ची को छोटे कपड़े पहने हुए देखकर ब) बचपन का आनन्द लेने के लिए स) तुतलाने के लिए ।

भाषा अध्ययन

1. निम्नलिखित शब्दों का शुद्ध उच्चारण कीजिए-

अतुलित, प्रफुल्लित, हृदय, निष्पाप, स्वच्छन्द, संताप

2. प्रस्तुत पाठ के आधार पर निम्नलिखित शब्दों में सही जोड़ी बनाइए-

क		ख
मंजुल	–	माला
जय	–	कुटिया
प्यारा	–	आनन्द
छोटी	–	मूर्ति
अतुलित	–	जीवन

3. पाठ में कुछ ऐसे शब्द आए है, जिनके बीच योजक चिह्न का प्रयोग हुआ है ऐसे शब्दों की सूची बनाइए- जैसे-माता-पिता

4. 'बचपन' शब्द में 'पन' प्रत्यय जुड़ा हुआ है। इसी प्रकार तालिका में 'पन' प्रत्यय जोड़कर शब्द बनाइए-

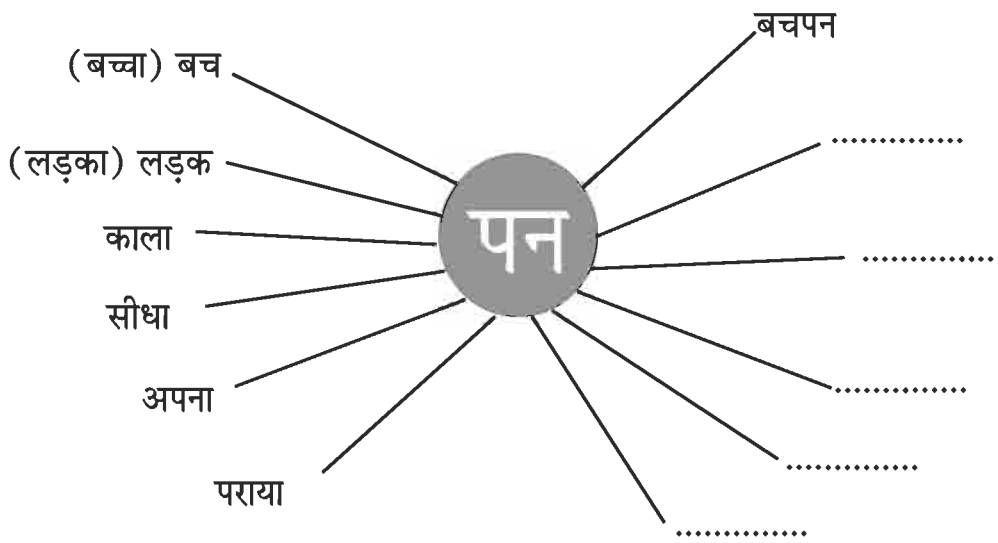

पढ़िए और अन्तर ज्ञात कीजिए

1. इस गुलाब के फूल का रंग **लाल** है।
2. माता **लाल** तेरे बहुतेरे।

यहाँ ध्यान दीजिए पहले वाक्य में '**लाल**' का अर्थ लाल रंग से है।

दूसरे वाक्य में '**लाल**' का आशय पुत्र से है।

जब शब्दों के (एक ही शब्द) प्रसंगानुसार भिन्न-भिन्न अर्थ होते हैं, तो ऐसे शब्द अनेकार्थी शब्द कहलाते है।

5. निम्नलिखित शब्दों के भिन्न-भिन्न अर्थ कोष्ठक में दिऐ गये है। इनका वाक्य में प्रयोग कीजिए-

तात (पिता-पुत्र), कर (हाथ, टैक्स), पूर्व (पहला, एक दिशा)

6. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द चौखाने में से छाँटकर लिखिए-

नीच, अधर्म, अन्धकार, बुराई, अपठित, अस्वस्थ

जैसे-	**ऊँच**	-	**नीच**	**भलाई**	.....
	प्रकाश		.....	पठित	.....
	धर्म		.....	स्वस्थ	.....

7. नीचे लिखे शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए-

नृप	-	राजा	**जीवन**	-	.....
पथ	-	.....	**वन**	-	.....
खुशी	-	.....	**फूल**	-	.....
मधुर	-	.....	**प्यारा**	-	.....

योग्यता विस्तार

1. अपने बचपन की कोई अच्छी घटना लिखिए?
2. बचपन से सम्बन्धित अन्य कविताएँ संकलित कर कक्षा में सुनाएँ
3. अपने ऐसे पाँच दोस्तों के नाम जो आपके साथ खेलते हैं, उनमें आपका सबसे अच्छा दोस्त कौन है और क्यों?